८ : **ऐसे ऐसे**

प्रश्नावली

<u>एकांकी से</u>

प्रश्न 1 . 'सड़क के किनारे एक सुंदर फ्लैट में बैठक का दृश्य । उसका एक दरवाजा सड़क वाले बरामदे में खुलता है . . . . उस पर एक फ़ोन रखा हैं ' इस बैठक की पूरी तसवीर बनाओ ।

प्रश्न 2 . माँ मोहन के ' ऐसे - ऐसे ' कहने पर क्यों घबरा रही थी ?

प्रश्न 3 . ऐसे कौन - कौन से बहाने होते हैं जिन्हें मास्टर जी एक ही बार में सुनकर समझ जाते हैं ? ऐसे कुछ बहानों के बारे में लिखो ।

<u>अनुमान और कल्पना</u>

प्रश्न 1. स्कूल के काम से बचने के लिए मोहन ने कई बार पेट में 'ऐसे - ऐसे' होने के बहाने बनाए । मान लो , एक बार उसे सचमुच पेट में दर्द हो गया और उसकी बातों पर लोगों ने विश्वास नहीं किया , तब मोहन पर क्या बीती होगी ?

प्रश्न 2.पाठ में आए वाक्य - 'लोचा - लोचा फिरे है' के बदले 'ढीला - ढाला हो गया है या बहुत कमजोर हो गया हे'- लिखा जा सकता है । लेकिन ,

लेखक ने संवाद में विशेषता लाने के लिए बोलियों के रंग - ढंग का उपयोग किया है । इस पाठ में इस तरह की अन्य पंक्तियाँ भी हैं , जैसे-

- इत्ती नयी - नयी बीमारियाँ निकली हैं ,

- राम मारी बीमारियों ने तंग कर दिया ,

- तेरे पेट में तो बहुत बड़ी दाढ़ी है । •

अनुमान लगाओ , इन पंक्तियों को दूसरे ढंग से कैसे लिखा जा सकता है?

प्रश्न 3. मान लो कि तुम मोहन की तबीयत पूछने जाते हो । तुम अपने और मोहन के बीच की बातचीत को संवाद के रूप में लिखो ।

प्रश्न 4. संकट के समय के लिए कौन - कौन से नंबर याद रखे जाने चाहिए ? ऐसे वक्त में पुलिस , फायर ब्रिगेड और डॉक्टर से तुम कैसे बात करोगे ? कक्षा में करके बताओ ।

ऐसा होता तो क्या होता

प्रश्न 1.मास्टर : . . . स्कूल का काम तो पूरा कर लिया है ?

(मोहन हाँ में सिर हिलाता है।)

मोहन : जी , सब काम पूरा कर लिया है ।

इस स्थिति में नाटक का अंत क्या होता ? लिखो ।

भाषा की बात

प्रश्न (क) मोहन ने केला और संतरा खाया ।

प्रश्न (ख) मोहन ने केला और संतरा नहीं खाया ।

प्रश्न (ग) मोहन ने क्या खाया ? |

प्रश्न (घ) मोहन केला और संतरा खाओ ।

उपर्युक्त वाक्यों में से पहला वाक्य एकांकी से लिया गया है । बाकी तीन वाक्य देखने में पहले वाक्य से मिलते - जुलते हैं , पर उनके अर्थ अलग - अलग हैं। पहला वाक्य किसी कार्य या बात के होने के बारे में बताता है । इसे विधिवाचक वाक्य कहते हैं । दूसरे वाक्य का संबंध उस कार्य के न होने से है , इसलिए उसे निषेधवाचक वाक्य कहते हैं । (निषेध का अर्थ नहीं या मनाही होता है ।) तीसरे वाक्य में इसी बात को प्रश्न के रूप में पूछा जा रहा है , ऐसे वाक्य प्रश्नवाचक कहलाते हैं । चौथे वाक्य में मोहन से उसी कार्य को करने के लिए कहा जा रहा है । इसलिए उसे आदेशवाचक वाक्य कहते हैं । आगे एक वाक्य दिया गया है । इसके बाकी तीन रूप तुम सोचकर लिखो-

बताना : रुथ ने कपड़े अलमारी में रखे ।

नहीं / मना करना : ।..

पूछना : ....

आदेश देना: ....

उत्तर

<u>एकांकी से</u>

उत्तर 1. 【अपनी कल्पना अनुसार चित्र बनाये】

उत्तर 2. मोहन ने कहा की उसे पेट में तकलीफ़ हो रही हैं। परन्तु वह अपनी तकलीफ़ का कारण बोलने के बदले केवल "ऐसे -ऐसे" कर रहा था। उसकी माँ को लगा की उसे कोई नई गंभीर बीमारी हुई होगी इसलिए वे घबरा गई।

उत्तर 3. कुछ बहाने सुनते ही मास्टर जी पहचान जाते हैं, उनमे से कुछ हैं -पेट दर्द सर दर्द दूर के रिश्तेदार की शादी बुखार इत्यादि अनुमान और कल्पना

<u>अनुमान और कल्पना</u>

उत्तर 1.

यदि मोहन को सच में पेट दर्द हो जाए परन्तु अक्सर झूठ बोलने के कारण कोई उसका विश्वास बिल्कुल भी नहीं करेगा। उसकी हालत उस लड़के की तरह हो जाएगी जो "भेड़िया" आया चिल्लाता था। अंत में उसका नुकसान ही होगा। तब उसे अपने झूठ का अहसास होगा। यह समभाव हैं की शायद वह अब जीवन में कभी भी झूठ नहीं बोलेगा। हम

आशा करते हैं की उसके मास्टर जी एक बार फिर से सच प्रकाशित कर देंगे, पर इस बार मोहन के हक में।

उत्तर 2.

1. कई नई बीमारियाँ निकली हैं।
2. इस बीमारी ने परेशान कर दिया हैं।
3. तुम बहुत चालाक हो।

उत्तर 3.

इन बिन्दूओ का धयान रखते हुए एक कहानी लिखिए।

मोहन का ऐसे - ऐसे कहने।

दोस्त का डॉक्टर और वेद के बारे में पूछना

उद्धरण -

दोस्त -क्या हुआ मोहन?

मोहन - पेट में ऐसे - ऐसे हो रहा हैं। कल स्कूल नहीं जा पाऊंगा।

दोस्त - ऐसे - ऐसे मतलब कैसे?

मोहन - ऐसे - ऐसे मतलब....

दोस्त - डॉक्टर ने दवा दी ?

मोहन - हैं।

दोस्त - मैं आभी जा रहा हूँ , कल फिर आऊँगा आशा करता हूँ की तुम तब ठीक हो गए होंगे।

उत्तर 4.

आपातकालीन सेवा- 112

पुलिस- 100

फायर ब्रिगेड-101

एम्बुलेंस-102

<u>भाषा की बात</u>

उत्तर 1. नहीं / मना करना - रूठ ने कपड़े अलमारी में नही रखे ।

पूछना : क्या रूठ ने कपड़े अलमारी में रखे?

आदेश देना: रूठ, अलमारी में कपड़े रखो।